एक एक कर पढें कि संस्कृत किस तरह भारत की नींव है -

विभिन्न संस्थाओं के संस्कृत ध्येय वाक्य ---

●भारत सरकार > सत्यमेव जयते

●लोक सभा > धर्मचक्र प्रवर्तनाय

●उच्चतम न्यायालय > यतो धर्मस्ततो जयः

●आल इंडिया रेडियो > सर्वजन हिताय सर्वजनसुखाय

●दूरदर्शन > सत्यं शिवं सुन्दरम्

●गोवा राज्य > सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।

●भारतीय जीवन बीमा निगम > योगक्षेमं वहाम्यहम्

●डाक तार विभाग > अहर्निशं सेवामहे

●श्रम मंत्रालय > श्रम एव जयते

●भारतीय सांख्यिकी संस्थान > भिन्नेष्वेकस्य दर्शनम्

●थल सेना > सेवा अस्माकं धर्मः

●वायु सेना > नभःस्पृशं दीप्तम्

●जल सेना > शं नो वरुणः

●मुंबई पुलिस > सद्रक्षणाय खलनिग्रहणाय

●हिंदी अकादमी > अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम्

●भारतीय राष्ट्रीय विज्ञानं अकादमी > हव्याभिर्भगः सवितुर्वरेण्यम्

●भारतीय प्रशासनिक सेवा अकादमी > योगः कर्मसु कौशलम्

●विश्वविद्यालय अनुदान आयोग > ज्ञान-विज्ञानं विमुक्तये

●नेशनल कौंसिल फॉर टीचर एजुकेशन > गुरुर्गुरुतमो धाम

●गुरुकुल काङ्गडी विश्वविद्यालय > ब्रह्मचर्येण तपसा देवा मृत्युमपाघ्नत

●इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय > ज्योतिर्वरणीत तमसो विज्ञानन

●काशी हिन्दू विश्वविद्यालय: > विद्ययाऽमृतमश्नुते

●आन्ध्र विश्वविद्यालय > तेजस्विनावधीतमस्तु

●बंगाल अभियांत्रिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय,

शिवपुर > उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत

●गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय > आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

●संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय > श्रुतं मे गोपाय

●श्री वैंकटेश्वर विश्वविद्यालय > ज्ञानं सम्यग् वेक्षणम्

●कालीकट विश्वविद्यालय > निर्भय कर्मणा श्री

●दिल्ली विश्वविद्यालय > निष्ठा धृति: सत्यम्

●केरल विश्वविद्यालय > कर्मणि व्यज्यते प्रज्ञा

●राजस्थान विश्वविद्यालय > धर्मो विश्वस्य जगतः प्रतिष्ठा

●पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय

युक्तिहीने विचारे तु धर्महानि: प्रजायते

●वनस्थली विद्यापीठ > सा विद्या या विमुक्तये।

●राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् > विद्याऽमृतमश्नुते।

●केन्द्रीय विद्यालय > तत् त्वं पूषन् अपावृणु

●केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड > असतो मा सद्गमय

प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, त्रिवेन्द्रम > कर्मज्यायो हि अकर्मण:

●देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर > धियो यो नः प्रचोदयात्

●गोविंद बल्लभ पंत अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पौड़ी > तमसो मा तिर्गमय

●मदनमोहन मालवीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय गोरखपुर > योगः कर्मसु कौशलम्

●भारतीय प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय, हैदराबाद > संगच्छध्वं संवदध्वम्

●इंडिया विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय विधि विद्यालय > धर्मो रक्षति रक्षितः

●संत स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली > सत्यमेव विजयते नानृतम्

●अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान > शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्

●विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर > योग: कर्मसु कौशलम्

●मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,इलाहाबाद > सिद्धिर्भवति कर्मजा

●बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी > ज्ञानं परमं बलम्

●भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर > योगः कर्मसुकौशलम्

●भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई > ज्ञानं परमं ध्येयम्

●भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर > तमसो मा ज्योतिर्गमय

●भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान चेन्नई > सिद्धिर्भवति कर्मजा

●भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की > श्रमं विना नकिमपि साध्यम्

●भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद > विद्या विनियोगाद्विकास:

●भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर > तेजस्वि नावधीतमस्तु

●भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझीकोड > योगः कर्मसु कौशलम्

●सेना ई एम ई कोर > कर्महह हि धर्महह

●सेना राजपूताना राजफल > वीर भोग्या वसुन्धरा

●सेना मेडिकल कोर > सर्वे संतु निरामया ..

●सेना शिक्षा कोर > विद्यैव बलम्

●सेना एयर डिफेन्स > आकाशेय शत्रुन् जहि

●सेना ग्रेनेडियर रेजिमेन्ट. > सर्वदा शक्तिशालिम्

●सेना राजपूत बटालियन > सर्वत्र विजये

●सेना डोगरा रेजिमेन्ट > कर्तव्यम् अन्वात्मा

●सेना गढवाल रायफल > युद्धया कृत निश्चयः

●सेना कुमायू रेजिमेन्ट > पराक्रमो विजयते

●सेना महार रेजिमेन्ट > यश सिद्धि?

●सेना जम्मू काश्मीर रायफल > प्रस्थ रणवीरता?

●सेना कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री > बलिदानं वीर-लक्ष्यम्?

●सेना इंजीनियर रेजिमेन्ट > सर्वत्र

●भारतीय तट रक्षक-वयम् रक्षामः

●सैन्य विद्यालय > युद्धं प्रगायय?

●सैन्य अनुसंधान केंद्र > बलस्य मूलं विज्ञानम्

- - - - - - - - - -

मित्रों!

सिलसिला यहिं खतम नहीं होता, विदेशी भी हमारे कायल हैं देखो जरा...

●नेपाल सरकार > जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

●इंडोनेशिया-जलसेना > जलेष्वेव जयामहे (इंडोनेशिया) - पञ्चचित

●कोलंबो विश्वविद्यालय- (श्रीलंका) > बुद्धि: सर्वत्र भ्राजते

●मोराटुवा विश्वविद्यालय (श्रीलंका) > विद्यैव सर्वधनम् पेरादे पञ्चचित

●पेरादेनिया विश्वविद्यालय > सर्वस्य लोचनशास्त्रम्

मित्रों!

संस्कृत और संस्कृति ही भारतीयता का मूल है .. भारत का विकास इसी से संभव है- तो कीजिये अपने गौरव को याद कहिये "हम भारतीय हैं और संस्कृत हमारी पहचान है, हमें अपने गौरव का अभिमान है।"

भारत माता की जय..

जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्